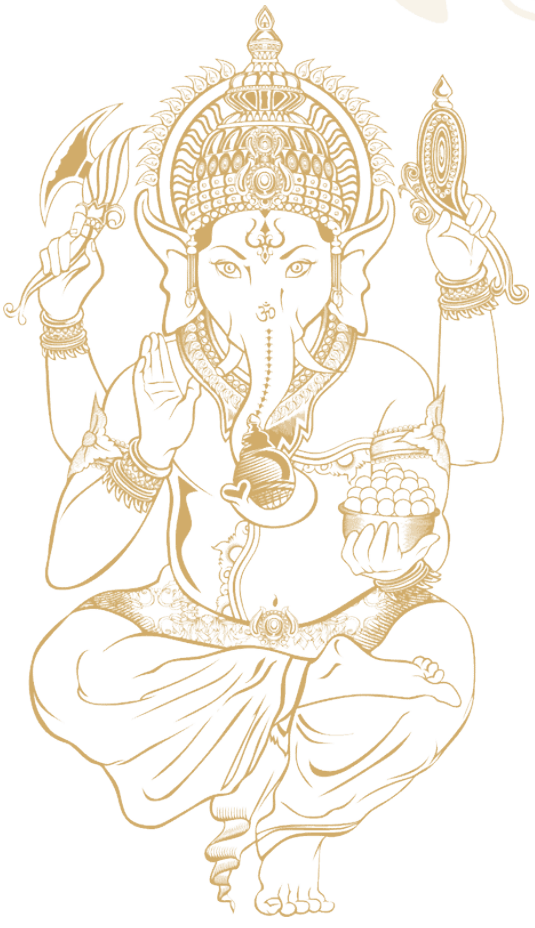

Deepanshu

Rachi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120937403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/11/2003	जन्म तिथि	24/09/2006
मंगल-बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 04:30:56	जन्म समय	17:02:00 घंटे
घटी 54:49:29	जन्म समय(घटी)	27:08:57 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:08	सूर्योदय	06:10:25
17:33:26	सूर्यास्त	18:15:38
23:54:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:57:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 0वर्ष 4मा 26दि	20:21:54	कन्या	लग्न	कुंभ	12:40:29	मंगल 4वर्ष 0मा 25दि
बुध	18:12:09	तुला	सूर्य	कन्या	07:19:59	राहु
02/04/2023	02:59:41	मीन	चंद्र	कन्या	28:55:00	19/10/2010
01/04/2040	14:57:21	कुंभ	मंगल	कन्या	16:38:39	19/10/2028
बुध 28/08/2025	24:41:47	तुला	बुध	कन्या	24:48:27	राहु 02/07/2013
केतु 26/08/2026	19:48:34	सिंह	गुरु	तुला	23:19:39	गुरु 25/11/2015
शुक्र 26/06/2029	08:38:54	वृश्चि	शुक्र	सिंह	28:39:06	शनि 01/10/2018
सूर्य 02/05/2030	19:14:26	मिथु व	शनि	कर्क	26:43:54	बुध 19/04/2021
चन्द्र 01/10/2031	26:34:26	मेष व	राहु व	मीन	01:24:56	केतु 08/05/2022
मंगल 28/09/2032	26:34:26	तुला व	केतु व	कन्या	01:24:56	शुक्र 08/05/2025
राहु 17/04/2035	04:59:38	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	18:03:18	सूर्य 01/04/2026
गुरु 23/07/2037	16:32:25	मक	नेप व	मक	23:24:10	चन्द्र 01/10/2027
शनि 01/04/2040	24:30:29	वृश्चि	प्लूटो	धनु	00:13:38	मंगल 19/10/2028

लग्न-चलित

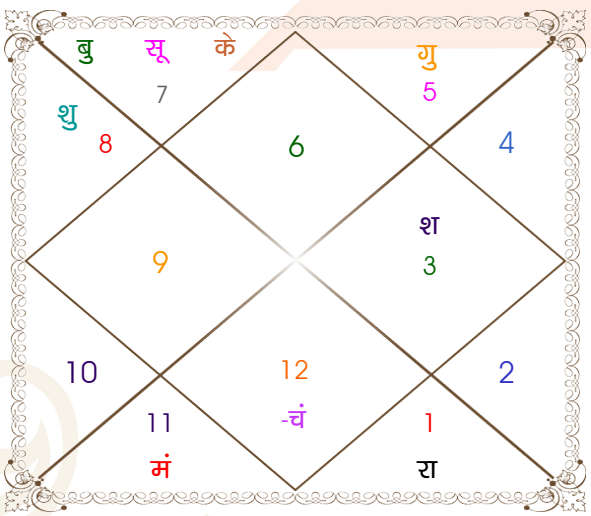

लग्न-चलित

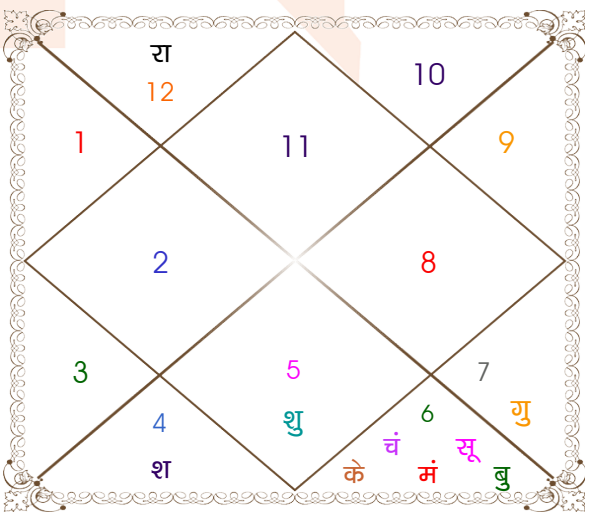

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Deepanshu का वर्ग सर्प है तथा Rachi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Deepanshu और Rachi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Deepanshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Rachi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Rachi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Deepanshu कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Deepanshu कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Deepanshu तथा Rachi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।